

OCTOBER 2017

1	8	15	22	29
2	9	16	23	30
3	10	17	24	31
4	11	18	25	
5	12	19	26	
6	13	20	27	
7	14	21	28	

NOVEMBER 2017

Sun	5	12	19	26
Mon	6	13	20	27
Tue	7	14	21	28
Wed	8	15	22	29
Thu	9	16	23	30
Fri	10	17	24	
Sat	11	18	25	

S.A. Part - III
Subject - Pol. Sc.
Paper - VI (Political thought).

Topic :- निकोलो मैकिावेली
(Niccolo Machiavelli)
(1469 - 1527)

DR. Phaniraj Jha.
Asst. Prof. In-charge faculty / part time.
Dept. of Pol. Science.
L.S. College Mirzapur
M- 8210688019.

जन्म :- 1469 में इटली के प्रसिद्ध नगर फ्लोरेंस में हुआ था।
(आर्चड्यूस युग के आरंभिक दौर का प्रसिद्ध इतालवी विचारक था।)

मैकिावेली की प्रसिद्ध रचनाएँ :-

- 1- डिस्कोर्जेज ओन लिनी (लिनी पर विमर्श / वार्ता)
 - 2- द प्रिन्स (रूपरेखा)
- } 1531

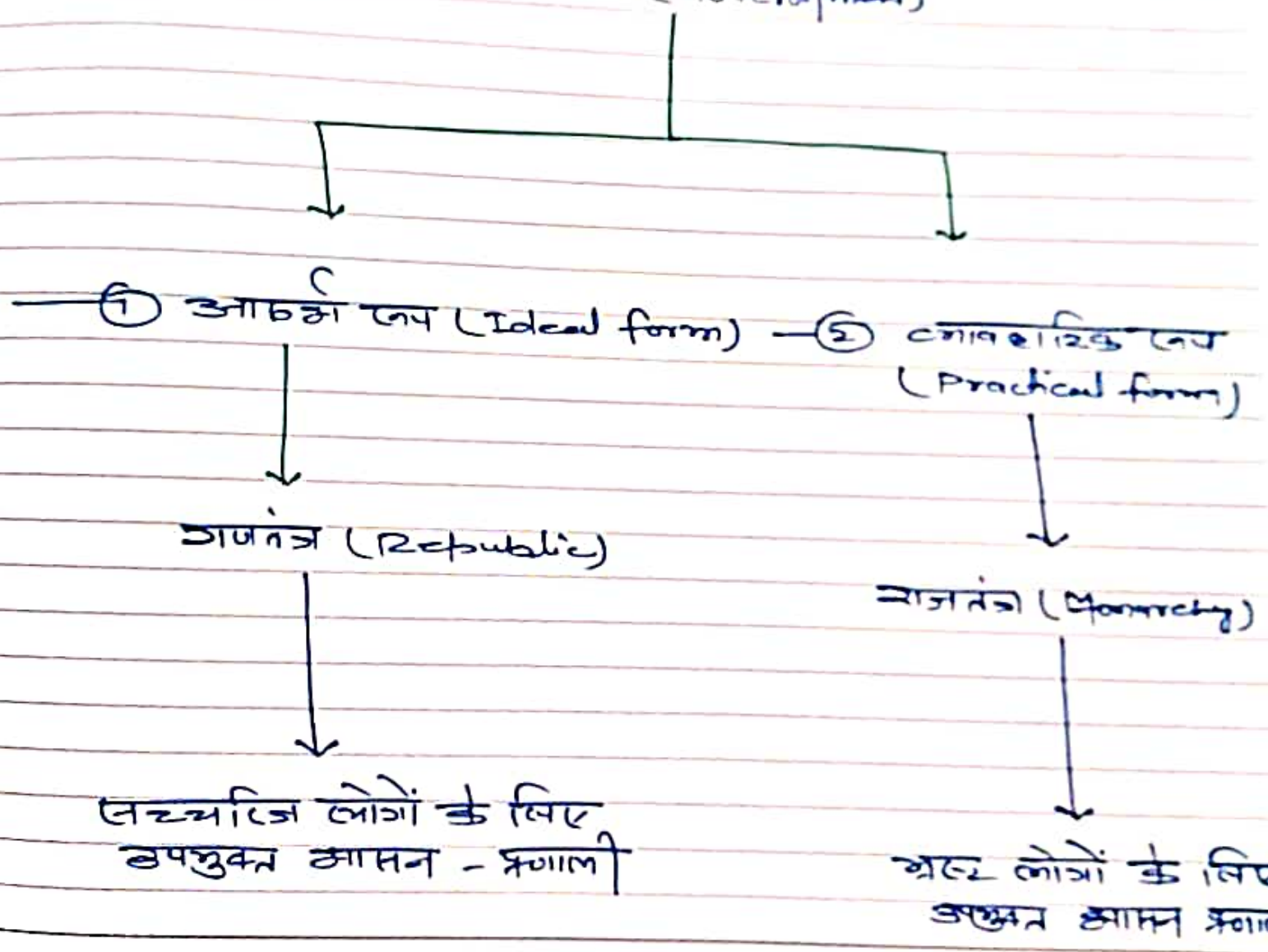
⇒ मैकिावेली को अपने जीवन काल में अनेक बार फ्लोरेंस गणराज्य का राजनीतिक प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला और उसने विदेशी राज्यों में निरंकुशतांत्र (absolutism) की लफलाता के दृश्य अपना राजी आँखों से देखा था। अतः वह इस राज पर पहुँचा कि इस परिस्थितियों में इटली को ही उद्दर के निरंकुश शासक की आवश्यकता थी। इन्हीं विचारों से प्रेरित होकर उसने उपरोक्त दोनों प्रमुख ग्रंथों का रचना की।

7	14	21	28	5	12	19	26
8	15	22	29	6	13	20	27
9	16	23	30	7	14	21	28
10	17	24		8	15	22	29
11	18	25		9	16	23	30

संक्षेप में,

मैक्सिमावेली के फुलदा बिसे जसे आमन प्रजासिद्धी के वर्गीकरण से हम निम्नांकित रूप में दृष्टि कर सकते हैं -

मैक्सिमावेली के अनुसार आमन - प्रजासिद्धी वर्गीकरण (Government)



SEPTEMBER 2017							OCTOBER 2017						
SU	1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	
MO	7	8	9	10	11	12	7	8	9	10	11	12	
TU	13	14	15	16	17	18	13	14	15	16	17	18	
WE	19	20	21	22	23	24	19	20	21	22	23	24	
TH	25	26	27	28	29	30	25	26	27	28	29	30	
FR	1	2	3	4	5	6	31	1	2	3	4	5	

⇒ पैकिनावेली उपर्युक्त दोनों ग्रंथों को 1513 में लिखना शुरू किया।

⇒ पैकिनावेली कृष्ण मयित प्रिन्स (ग्रन्थ) अपेक्षाकृत लंबे हैं जो 'लोरेंजो डे मेदीची' को समर्पित की गई थीं। इनकी रचना 1513 में ही पूर्ण हो गई थी।

⇒ 'डिस्कॉर्सेज ऑन लिविंग' की रचना 1517 में पूर्ण हुई। परंतु उपर्युक्त दोनों ग्रंथों पैकिनावेली की मृत्यु के पश्चात् ही 1531 में प्रकाशित हो पाई।

⇒ उपर्युक्त दोनों ग्रंथों के माध्यम से पैकिनावेली ने यह उद्घाटन किया कि किसी देश के लिए उपर्युक्त आदर्श-प्रणाली का निर्माण करने लक्षण वहाँ के लोगों के चरित्र (Character) के अनुसार ही रचना चाहिए।

⇒ डिस्कॉर्सेज ऑन लिविंग के अन्तर्गत पैकिनावेली ने यह कहा कि जिस देश के लोग लच्छरि हैं उस देश में प्रणाली (Republicanism) होगी वहाँ वही लच्छरि आदर्श प्रणाली है। परन्तु जिस देश के लोग मितान स्वामी, लच्छरि और वृत्त होंगे, उन्हें कम में रहने के लिए राजतन्त्र आदर्श प्रणाली (Monarchy) का लक्षण लेना चाहिए।

पैकिनावेली अपने त्रिदिव्य ग्रंथ 'द प्रिन्स' में उन लच्छरि सुविधाओं का विवरण किया जो राजतन्त्र के अन्तर्गत कुशल आदर्श को अपनाया चाहिए।